विविध आवश्यकता वाले बालक
CHILDREN WITH DIVERSE NEEDS

2.1. विविध आवश्यकता वाले बालक (CHILDREN WITH DIVERSE NEEDS)

विविध आवश्यकता वाले बालकों से हमारा अभिप्राय विशिष्ट बालकों से हैं। अतः आगे ऐसे बालकों का ही अध्ययन करेंगे।

2.1.1. विशिष्ट बालकों का अर्थ एवं परिभाषाएँ (Meaning and Definitions of Exceptional Child)

विविध आवश्यकता वाले बालकों को अपवादी बालक भी कहा जाता है। सामान्यतः वे बच्चे जो अपनी योग्यताओं, क्षमताओं, व्यक्तित्व एवं व्यवहार के द्वारा अपनी उम्र के अन्य बच्चों से भिन्न होते हैं, विविध या विशिष्ट आवश्यकता वाले बालक कहे जाते हैं। इन बच्चों का मानसिक विकास या तो इतना अधिक होता है कि वे आगे निकल जाते हैं या फिर इतना कम होता है कि वे अन्य बालकों से पीछे रह जाते हैं। इन दोनों ही स्थितियों में इस प्रकार के बच्चों को अलग प्रकार की शिक्षा एवं अन्य सुविधाओं की आवश्यकता होती है।

प्रत्येक बच्चा एक दूसरे से भिन्न होता है यह भिन्नता शारीरिक, मानसिक व अन्य प्रकार से हो सकती है। प्रत्येक बालक की कार्य करने की क्षमता रुचि, योग्यता, व्यवहार, व्यक्तित्व किसी दूसरे बालक से अलग होती है। कुछ बालक कार्य करने में इतने कुशल व तीव्र होते हैं कि वे अन्य बालकों से आगे निकल जाते हैं व कुछ इतने ढीले होते हैं कि वे पिछड़ जाते हैं। ऐसे विशिष्ट बालकों में कुछ विशिष्ट विशेषताएँ परिलक्षित होती हैं।

प्रत्येक बालक दूसरे बालक से सामान्य रूप से शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व संवेगात्मक दृष्टि से भिन्न होता है पर यह विभिन्नता कभी–कभी इतनी अधिक हो जाती है कि वह बालक विशिष्ट बालक की श्रेणी में सम्मिलित हो जाता है। यह भिन्नता धनात्मक व ऋणात्मक किसी भी दिशा में हो सकती है।

क्रो और क्रो के अनुसार, "विशिष्ट प्रकार या विशिष्ट शब्द ऐसे गुणों या उस गुण को रखने वाले व्यक्ति पर लागू किया जाता है जिसके कारण वह व्यक्ति अपने साथियों से विशिष्ट ध्यान अपनी ओर आकर्षित करता है।"

According to Crow and Crow, "The term exceptional is applied to traits or person possessing the traits, because of it individual receives special attention from his fellows."

Scanned with CamScanner

अमेरिकन नेशनल सोसाइटी फॉर एजूकेशन के अनुसार, "विशिष्ट बालक वे हैं जो सामान्य बालकों में शारीरिक, मानसिक, सांवेगिक या सामाजिक विशेषताओं में इतनी अधिक दूरी पर हैं कि अपनी उच्चतम योग्यता तक विकसित होने के लिए उन्हें विशेष शैक्षिक सेवाओं की आवश्यकता पड़ती है।"

According to American National Society for Study of Education, "An exceptional child is one who deviates from the normal or average child is physical, mental, social, educational, emotional and behaviouristic characteristics to such an extent that he requires a modification of school practice or special education services in order to develop to his maximum capacity."

रेबर तथा रेबर के अनुसार, "असाधारण बालक, जैसा कि बाल मनोविज्ञान में प्रयुक्त है, का तात्पर्य अत्यधिक प्रवीण एवं प्रतिभाशाली बालकों के साथ–साथ उन बालकों से भी है जो निम्न बुद्धि या अन्य शिक्षण असमर्थताओं के होते हैं।"

According to Reber and Reber, "Exceptional child as used in child psychology refers to extremely talented and gifted children as well as to those having low intelligence or other learning disabilities."

टैलफोर्ड के अनुसार, "विशिष्ट बालकों से तात्पर्य उन बालकों से है जो सामान्य बालकों से शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक अथवा सामाजिक लक्षणों में इतने अधिक भिन्न होते हैं कि उनकी योग्यताओं के अनुसार उनके अधिकतम विकास के लिए विशेष सामाजिक एवं शैक्षिक सेवाओं की आवश्यकता होती है।"

According to Telford, "The term exceptional children refers to children who deviate from the normal in physical, mental, emotional or social characteristics to such a degree that they require special social and educational services to develop their maximum capacity."

हेवेट तथा फोरनेस के अनुसार, "विशिष्ट" ऐसा व्यक्ति होता है जिसकी शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, इन्द्रियाँ, माँसपेशियाँ क्षमताएँ अनोखी हो अर्थात् सामान्यतया ऐसे गुण दुर्लभ हों। ऐसी अनोखी दुर्लभ क्षमताएँ उसकी प्रवृत्ति तथा कार्यों के स्तर में भी हो सकती हैं। इस प्रकार के बालक प्रतिभाशाली बालक के रूप में परिभाषित होते हैं। ऐसे बालक बड़ी आसानी से अन्य बालकों के बीच में पहचाने जा सकते हैं।"

According to Hewett and Forness, "An exceptional learner is an individual who, because of uniqueness in sensory, physical, neurological, temperamental or intellectual capacity and/or in the nature and range of previous order to maximise his or her functioning level."

हेक के अनुसार, "विशिष्ट बालक वह है जो किसी एक अथवा कई गुणों की दृष्टि से सामान्य बालक से पर्याप्त मात्रा में भिन्न होते हैं।"

who deviates or varies from

Scanned with CamScanner

हैरी जे. बेकर के अनुसार, "असाधारण/विशिष्ट बालक वे हैं जो शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक एवं सामाजिक दृष्टि से सामान्य गुणों से इस सीमा तक विचलित होते हैं कि उन्हें अपनी अधिकतम क्षमता के अनुसार स्वयं का विकास करने के लिए विशिष्ट शिक्षा की आवश्यकता पड़ती है।"

According to Herry J. Baker, "Those who deviate from what is supposed to be average in physical, mental, emotional or social characteristics to seek an extent that they require special education services in order to develop their maximum capacity."

क्रुक शैंक के अनुसार, "विशिष्ट बालक वह है जो बौद्धिक, शारीरिक, सामाजिक अथवा संवेगात्मक दृष्टि से सामान्य समझी जाने वाली बुद्धि तथा विकास से इतना भिन्न है कि वह नियमित विद्यालय कार्यक्रम से पूर्ण लाभ नहीं उठा सकता तथा विशिष्ट शिक्षा अथवा पूरक शिक्षण और सेवाएँ चाहता है।"

According to William M. Cruickshank, "An exceptional child is one who deviates intellectually, physically, socially or emotionally so much from what is considered to be normal growth and development that he cannot receive maximum benefit from a regular school programme and requires a special class or supplementary instruction and services."

हीवार्ड के अनुसार, "विशिष्ट बालकों की श्रेणी में वे बच्चे आते हैं जिन्हें सीखने में कठिनाई का अनुभव होता है या जिनका मानसिक या शैक्षिक निष्पादन या सृजन अत्यन्त उच्चकोटि का होता है या जिनको व्यावहारिक सांवेगिक एवं सामाजिक समस्याएँ घेर लेती हैं। वे विभिन्न शारीरिक अपंगताओं या निर्बलताओं से पीड़ित रहते हैं जिनके कारण ही उनके लिए अलग से विशिष्ट प्रकार की शिक्षा व्यवस्था करनी पड़ती है।"

उपरोक्त परिभाषाओं के आधार पर विशिष्ट बालक, सामान्य बालकों से बौद्धिक, शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक दृष्टियों से इतने अधिक भिन्न होते हैं कि उन्हें विशिष्ट प्रकार की शिक्षा या अनुदेशन की आवश्यकता होती है। अतः उनके लिए विशिष्ट शिक्षा की व्यवस्था की जाती है।

2.1.2. विशिष्ट बालकों की विशेषताएँ (Characteristics Exceptional Children)

विविध आवश्यकता वाले बालकों की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

1) विविध आवश्यकता वाले बालक अन्य सामान्य या औसत स्तर के बालकों से अ होते हैं।
2) ये प्रायः विलक्षण प्रतिभा, असाधारण एवं भिन्नता का व्यवहार करते हैं।
3) यह भिन्नता सकारात्मक या नकारात्मक दोनों प्रकार की हो सकती है।
4) विविध आवश्यकताओं के कारण इन बालकों को अपने वातावरण से समायो स्थापित करने में समस्याओं का सामना करना पड़ता है।
5) इन्हें अपनी योग्यताओं एवं क्षमताओं के विकास, उचित समायोजन, आवश्यक एवं विकास हेतु विशेष देखभाल की आवश्यता होती है।

Scanned with CamScanner

2.1.3. विशिष्ट बालकों का वर्गीकरण (Classificatio
Exceptional Children)

विशिष्टता का क्षेत्र सार्वभौमिक है। यह किसी भी वर्ग, जाति, धर्म, समुदाय व रा
के व्यक्तियों में पाई जा सकती है। कभी यह विशिष्टता वंशानुगत, कभी वातावर
तथा कभी दोनों के संयोजन का प्रतिफल होती है। शारीरिक, मानसिक, सं
भावात्मक तथा सामाजिक विकास आदि में विभिन्नता के आधार पर विशिष्ट बा
अनेक प्रकार से वर्गीकृत कर सकते हैं–

1) **शारीरिक रूप से भिन्न बालक**
   i) सांवेदिक रूप से विकलांगता
   ii) गतीय रूप से विकलांगता
   iii) बहुल विकलांगता

2) **मानसिक रूप से भिन्न बालक**
   i) प्रतिभाशाली बालक
   ii) सृजनात्मक बालक
   iii) मन्दबुद्धि बालक

3) **शैक्षिक रूप से भिन्न बालक**
   i) शैक्षिक रूप से समृद्ध बालक
   ii) शैक्षिक रूप से पिछड़ा बालक
   iii) किसी प्रमुख विषय को सीखने में अयोग्य बालक
   iv) सम्प्रेषण बाधित बालक

4) **सामाजिक रूप से विचलित बालक**
   i) सांवेगिक रूप से परेशान बालक
   ii) माता–पिता द्वारा तिरस्कृत बालक
   iii) बाल अपराधी
   iv) समस्यात्मक बालक
   v) वंचित बालक
   vi) असमायोजित बालक

Scanned with CamScanner